संपादकीय

पर्यावरण बचाने की लड़ाई में अगुआ है भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते सात वर्षों के अपने कार्यकाल में भारत को आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया है। ऊर्जा क्षेत्र के नए विकल्पों की दिशा में भी भारत आगे बढ़ रहा है। ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में भारत की भूमिका विश्व पटल पर महत्वपूर्ण हुई है। जलवायु परिवर्तन के सवाल पर गंभीरतापूर्वक काम कर रहे देशों ने भारत की भूमिका को स्वीकार किया है।

देखा जाए तो 2014 में सरकार बनने के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में भारत की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नए ढंग से सुनिश्चित किया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया है कि भारत जलवायु परिवर्तनों की चुनौती से निपटने के लिए हो रही वैश्विक पहलों को आगे बढ़ाने में भी अग्रणी है। उदाहरण के रूप में देखें तो इस वर्ष के आरंभ में ही प्रधानमंत्री मोदी को 'सेरावीक ग्लोबल एनर्जी एंड एन्वायरनमेंट लीडरशिप' सम्मान प्राप्त हुआ। इसके पहले 2018 में 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' में प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' प्रदान करते हुए पर्यावरण के क्षेत्र में उनके वैश्विक नेतृत्व को ही मान्यता दी गई। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थापित अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक को 2022 तक समाप्त करने के उनके संकल्प के प्रति एक वैश्विक स्वीकृति का ही द्योतक था। यह भारत के वर्तमान नेतृत्व की दुनिया में स्वीकार्यता का परिचायक है।

प्रकृति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि के तीन मूल तत्व हैं। पहला है आंतरिक चेतना। आंतरिक चेतना का अर्थ है स्व की पहचान करना यानी अपने गौरवशाली अतीत की पहचान करना। दूसरा स्तंभ है जनजागरूकता। इस विषय में प्रधानमंत्री, देशवासियों से पर्यावरण संबंधी विषयों पर चर्चा, संवाद और विमर्श करने तथा लिखने के लिए आह्वान करते हैं। वह पर्यावरण से संबंधित विषयों पर अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन देने को भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हैं। पर्यावरण संबंधी विषयों पर नागरिकों की सक्रियता को प्रधानमंत्री मोदी तीसरा स्तंभ मानते हैं। उनका मत है कि पर्यावरण की बदहाली और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में लोगों की सक्रियता अत्यंत सकारात्मक भूमिका निभा सकती है।

गौर करें तो पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर भारत ने घरेलू स्तर पर ऐसी मिसाल कायम की है, जिसका आज विश्व अनुकरण कर रहा है। भारत आर्थिक विकास के क्रम में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में उत्तरोतर कमी लाने में कामयाब रहा है। भारत अपने 2005 में निर्धारित स्तर की तुलना में 2020 में जीडीपी की 'मिशन इंटेंसिटी' को 20 से 25 प्रतिशत तक करने की अपनी 2020 से पूर्व की प्रतिबद्धता को पार कर रहा है। इसके अतिरिक्त बीते सात वर्षों में भारत की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में ढाई गुणा की वृद्धि हुई है, जिसके अंतर्गत सौर ऊर्जा क्षमता में 13 गुणा की वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्र सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष' के माध्यम से राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के पर्यावरण अनुकूलन कार्यों को सहयोग तथा समर्थन दिया जा रहा है।

इन सब उपलब्धियों के साथ आज भारत जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए पैरिस समझौते के तहत निर्धारित अपने लक्ष्यों (राष्ट्रीय योगदानों) को न केवल प्राप्त करने बल्कि उससे भी आगे बढ़ने की राह पर है। आज भारत जी-20 समूह का एकमात्र ऐसा देश है, जो अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में सधे कदमों से आगे बढ़ रहा है। आपदा प्रबंधन अवसंरचना पर अंतरराष्ट्रीय गठबंधन यानी सीडीआरआई भी प्रधानमंत्री मोदी की पहल का ही परिणाम है। सीडीआरआई का उद्देश्य सतत विकास के समर्थन में जलवायु और आपदा संबंधी जोखिमों के लिए मौजूद बुनियादी ढांचा प्रणालियों के संबंध में है।

-भूपेंद्र यादव

जीईएम पोर्टल पर 28,300 से अधिक कारीगरों और 1,49,422 बुनकरों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली। बुनकरों और कारीगरों को बाजार तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के एक प्रयास के तहत उन्हें जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल से जोड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है और पोर्टल पर 30 अगस्त तक 28,374 कारीगरों और 1,49,422 बुनकरों का पंजीकरण हो चुका था। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस पोर्टल के माध्यम से वे अपने उत्पादों को सीधे सरकारी विभागों को बेच सकें। इससे हथकरघा और हस्तशिल्प में काम करने वाले कारीगरों, बुनकरों, सूक्ष्म उद्यमियों, महिलाओं, आदिवासी उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों जैसे उन विक्रेता समूहों की भागीदारी बढ़ेगी, जिन्हें सरकारी बाजारों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और जो अपर्याप्त अवसरों से जूझते हैं।

पोर्टल पर 30 अगस्त, 2021 तक 28,374 कारीगरों और 1,49,422 बुनकरों का पंजीकरण हो चुका था। जीईएम ने जुलाई 2020 में हथकरघा विकास आयुक्त और हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों की सहायता से बुनकरों एवं कारीगरों का विक्रेता पंजीकरण तथा उन्हें पोर्टल से जोड़ने की शुरुआत की थी। साथ ही 56 हस्तशिल्प सेवा केंद्रों और 28 बुनकर सेवा केंद्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया तथा विक्रेता पंजीकरण प्रक्रिया में शामिल किया गया।

हथकरघा उत्पादों के लिए 28 विशिष्ट उत्पाद श्रेणियां बनाई गई हैं। साथ ही हस्तशिल्प उत्पादों के लिए 170 कस्टम उत्पाद श्रेणियां बनाई गईं। भारतीय हथकरघा और भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों के लिए विशेष वेब-बैनर और बाजार पृष्ठ विकसित किए गए हैं जिनकी मदद से विभिन्न सरकारी खरीदारों को ऐसे उत्पादों की आपूर्ति करने में सक्षम कारीगरों, बुनकरों, सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और उत्पादक कंपनियों द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प तथा हथकरघा उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस कदम से सरकारी खरीदारों के पास हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। साथ ही यह बुनकरों एवं कारीगरों को बिचौलियों के बिना अपने उत्पाद सीधे सरकार को बेचने के लिए सशक्त करेगा। इससे आत्मनिर्भर भारत का निर्माण सुनिश्चित करने की दिशा में माईहैंडलूममाईप्राइड, वोकलफोरलोकल और मेक इन इंडिया की भावना सुदृढ़ होगी।

इस पहल का उद्देश्य लगभग 35.22 लाख हथकरघा और 27 लाख हस्तशिल्प कारीगरों को बाजार तक सीधी पहुंच के अवसर प्रदान करना है जिससे बिचौलियों की व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी।

पंजाब समेत कई राज्यों में आयकर विभाग की रेड, 350 करोड़ रुपये के बेनामी फंड का पर्दाफाश

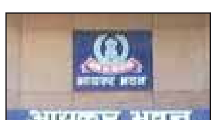

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने टेक्सटाइल और फिलामेंट यार्न के निर्माण में शामिल एक प्रमुख व्यापारिक समूह पर छापेमारी के बाद करोड़ों के काले धन का पता लगाया है। ये छापेमारी 18 सितंबर को दिल्ली, पंजाब और कोलकाता में कंपनी के कॉर्पोरेट ऑफिस सहित ग्रुप के अन्य ठिकानों पर की गई थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के मुताबिक इस ग्रुप ने करीब 350 करोड़ रुपये का बेनामी फंड अपने विदेशी खातों में जमा कराया और फिर टैक्स हेवंस देशों से शेल कंपनियों के जरिए इसे भारत में अपने बिजनेस में लगाया है। छापेमारी में विभाग को ऐसे कई सबूत मिले हैं जिनसे साबित होता है कि कंपनी ने अपनी अकाउंट बुक के बाहर लेनदेन किया, जमीन सौदों में कैश लेनदेन किया, अकाउंट बुक्स में फर्जी खर्च दिखाए और कैश खर्च को छिपाया। विभाग के मुताबिक ग्रुप ने करीब 350 करोड़ रुपये का बेनामी फंड अपने विदेशी खातों में जमा कराया और फिर टैक्स हेवंस देशों से शेल कंपनियों के जरिए इन्हें भारत में अपने बिजनस में लगाया।

को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लिए एचडीएफसी बैंक ने की पेटीएम के साथ साझेदारी

मुंबई। एचडीएफसी बैंक और पेटीएम ने वीजा संचालित क्रेडिट कार्ड की एक विस्तृत श्रृंखला को लॉन्च किए जाने की योजना की घोषणा की है। पेटीएम उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म है। अपनी तरह की इस पहली साझेदारी का उद्देश्य विशेष रूप से मिलेनियल्स, कारोबार मालिकों और व्यापारियों समेत सभी ग्राहक वर्गों को पेशकशों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है। इन क्रेडिट कार्ड को खुदरा ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए कस्टमाइज किया जायेगा। इनमें नए क्रेडिट कार्ड यूजर से लेकर समृद्ध यूजर या उपयोगकर्ता भी शामिल होंगे। इस श्रेणी के तहत यूजर को अन्य कार्ड के मुकाबले शानदार रिवार्ड्स और कैशबैक मिलेंगे। नए कार्ड की पेशकश से छोटे कारोबारियों को भी सुविधा होगी।

इस श्रेणी के कार्ड को अक्टूबर 2021 में लॉन्च किए जाने की योजना है। यह आमतौर पर त्योहारी सीजन होता है और इस मौके पर इनकी पेशकश करने का उद्देश्य क्रेडिट कार्ड ऑफर, ईएमआई और बाय नाउ पे लेटर विकल्पों की संभावित उच्च उपभोक्ता मांग का लाभ उठाना है। उत्पादों की पूरी श्रृंखला को दिसंबर 2021 के अंत तक पेश कर दिया जाएगा। 5.1 करोड़ से अधिक क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड और 2 मिलियन से अधिक व्यापारियों के साथ हर बाजार सेगमेंट की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत में कार्ड पर खर्च किया गया हर तीसरा रुपया एचडीएफसी बैंक कार्ड के जरिए होता है। इस प्रकार बैंक ने भारत में कंजम्पशन स्टोरी को बढ़ावा देने में वर्षों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस साझेदारी का उद्देश्य एक दूसरे की क्षमता का लाभ उठाकर ग्राहकों को बेहतर मूल्य और अनुभव प्रदान करना है। भारत के प्रमुख क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता के रूप में जहां एचडीएफसी बैंक की विशिष्टता और बेहतर ग्राहक जुड़ाव प्रदान करने में ताकत अहम है, वहीं पेटीएम के पास उसका डिजिटल कौशल और 33 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं की पहुंच शामिल है। यह साझेदारी टियर2 और टियर 3 बाजारों में पैठ को गहरी करेगा और देश भर में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल की गति को तेज करने की प्रक्रिया को सक्षम बनाएगा।

अमेजन ने 600 ब्रांड को किया बैन, पॉजिटिव रिव्यू के लिए ग्राहकों को लुभावने ऑफर देने वालों पर कार्रवाई

नई दिल्ली। अमेजन ने लगभग 3,000 ऑनलाइन मर्चेंट खातों पर रोक लगा दी है, जिन्हें उसके स्टोर पर 600 चीनी ब्रांड द्वारा समर्थित किया गया था। यह रोक उपभोक्ता समीक्षा दुर्व्यवहारों पर कंपनी की कार्रवाई का हिस्सा है। एक प्रकाशन ने कुछ कंपनियों की ओर इशारा किया था जो स्टोर पर सकारात्मक समीक्षा के बदले ग्राहकों को गिफ्ट कार्ड प्रदान करती हैं। इसके बाद जांच में पाया कि इनमें से कुछ ऑफर वीआईपी परीक्षण कार्यक्रमों या विस्तारित उत्पाद वारंटी के रूप में भी कवर्ड थे। अन्य कंपनियों ने उन लोगों को प्रोत्साहन पैकेज की पेशकश की, जिन्होंने खराब समीक्षा पोस्ट की, उन्हें एक मुफ्त उत्पाद या पूर्ण धनवापसी देने का ऑफर दिया गया बशर्ते वे नकारात्मक समीक्षा को हटा दें। अमेजन की एशिया ग्लोबल सेलिंग की उपाध्यक्ष सिंडी ताई ने कहा कि इस कार्रवाई का उद्देश्य चीन या किसी अन्य देश को टारगेट करना नहीं था। उसने यह भी कहा कि इस कार्रवाई से मंच पर चीनी ब्रांड की वृद्धि प्रभावित नहीं हुई है। अमेजन ने कहा कि ग्राहक खरीद निर्णय लेने के लिए उत्पाद समीक्षाओं की सटीकता और प्रामाणिकता पर भरोसा करते हैं।

लगातार पांच विकेट गिरने के बाद वापसी करना मुश्किल था : विराट

अबू धाबी। दो बार के आईपीएल विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल 14 के 31वें मैच में बड़ी हार के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि लगातार पांच विकेट गिरने के बाद वापसी करना बहुत मुश्किल था।

विराट ने मैच के बाद कहा, इस सतह पर अच्छी साझेदारी करना महत्वपूर्ण था। सच कहूं तो हमने इतनी जल्दी इतनी ओस की उम्मीद नहीं की थी। हमें यह विकेट पहले बल्लेबाजी करने के लिए अच्छा लग रहा था। हम एक समय पर 42 रन पर एक विकेट के साथ अच्छी स्थिति में थे, लेकिन यहां से 20 रन के अंदर हमने पांच विकेट गंवा दिए, जिसके बाद वापसी करना काफी मुश्किल था। यहां हमारी टीम पूरी तरह बिखर गई। यह हमारे लिए एक चेतावनी है, ताकि हम जान सकें कि हमें सच में क्या काम करने की आवश्यकता है। पेशेवर क्रिकेटरों के रूप में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप प्रारूपों में बदलाव करें और समायोजित (एडजस्ट) करें, यही आज विश्व क्रिकेट की गतिशीलता है। हमें ऐसा करने में कभी कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन कभी-कभी आपको टूर्नामेंट में वापसी के लिए एक मैच चाहिए होता है। आपको आठ गेंदों तक टिके रहना होता है, खासकर इस प्रारूप में। अगर ऐसा नहीं होता तो दूसरी टीम आप पर हावी हो जाती है। आप 20 रन के अंदर चार या पांच विकेट गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकते।

आरसीबी के कप्तान ने कहा, वरुण चक्रवर्ती बहुत अच्छे दिखे, यही मैं डग-आउट में कह रहा था, जब वह भारत के लिए खेलेंगे तो वह एक महत्वपूर्ण फैक्टर होंगे। हमें सभी युवाओं से इस तरह के प्रदर्शन की जरूरत है, ताकि भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत बनी रहे। वरुण भविष्य में भारत के लिए खेलने जा रहे हैं और यह एक अच्छा संकेत है।

आज का राशिफल

मेष : आज दिन शुभ रहेगा। आप स्नेहीजनों, आत्मजनों एवं मित्रों के साथ सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

वृषभः आज आपका दिन अच्छा बितेगा। आज आप नए कार्यों का आयोजन कर पाएंगे। नौकरी करने वालों एवं व्यावसायिकों के लिए दिन अच्छा है।

मिथुनः मानसिक रूप से आज का दिन दुविधाओं और उलझनों का है। शारीरिक रूप से अशक्त होने और आलस्य के कारण कार्य में उत्साह नहीं रहेगा।

कर्कः आप का दिन प्रतिकूलताओं भरा प्रतीत होता है। अतः सुझाव देते हैं कि किसी नए कार्य का प्रारंभ ना करें व उपचार एवं शल्यचिकित्सा आज न करवाएं।

सिंह : आज का दिन मध्यम फलदायी लगता है। आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा पर जीवनसाथी के आरोग्य को लेकर मन चिंतातुर होगा।

कन्या : आज आपके लिए दिन शुभ है। घर में सुख-शांति का वातावरण छाया रहेगा। और मन भी प्रसन्न रहेगा। सुखप्रद प्रसंग बनेंगे।

तुला : आज आप का दिन सुखपूर्वक बीतेगा। बौद्धिक प्रवृत्तियों एवं चर्चाओं में दिन बीतने की संभावना है। संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे।

वृश्चिकः आज का दिन शांतिपूर्ण रूप से व्यतीत करें, क्योंकि मन चिंताग्रस्त रहेगा एवं निजी संबंधियों से अनबन के योग हैं। स्वास्थ्य के विषय में चिंता होगी।

धनु : आज आप गूढ़रहस्यों और आध्यात्मिकता के रंगों में रंगे रहेंगे। बंधु-बांधवों के साथ आप का व्यवहार अच्छा रहेगा। नए कार्यों के प्रारंभ के लिए समय अच्छा है।

मकरः आज आप शेयर मार्केट के सट्टों एवं व्यापार में पूंजी लगाएंगे। आकस्मिक धनलाभ होगा। परिवारजनों के साथ विवाद से गृहस्थ वातावरण बिगड़ सकता है।

कुंभ : आज आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से उत्साहित रहेंगे। आर्थिक रूप से दिन लाभदायी है। कुटुंबीजनों एवं मित्रों के साथ सैर-सपाटे पर जा सकते है।

मीन : आज मानसिक व्याकुलता अधिक रहेगी अतः एकाग्रता की कमी रहेगी। धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है। पूंजी निवेश में आज विशिष्ट ध्यान रखने की जरूरत है।

तापसी पन्नू की 'रश्मि रॉकेट' ओटीटी पर होगी रिलीज

हसीन दिलरुबा के बाद अभिनेत्री तापसी पन्नू की दूसरी फिल्म रश्मि रॉकेट ने भी अब ओटीटी का रास्ता पकड़ लिया है। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान भी हो गया है। तापसी काफी समय से अपनी इस फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं और अब जबकि इसकी रिलीज डेट सामने आ गई है तो फैंस इसे लेकर ज्यादा उत्साहित हो गए हैं। तापसी ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है।

तापसी पन्नू अभिनीत रश्मि रॉकेट 15 अक्टूबर यानी दशहरे के मौके पर दर्शकों के बीच आएगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। तापसी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर साझा कर यह जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, ये चुनौतियों से भरी दौड़ शुरू हो चुकी है और अब यह रावण दहन पर आकर ही रुकेगी। इस साल रश्मि को बहुत कुछ नष्ट करना है। यह इस साल 15 अक्टूबर को जी5 पर दस्तक देगी।

तापसी ने कहा, आमतौर पर मेरे पास जब कोई फिल्म आती है तो इसके निर्देशक पूरी स्क्रिप्ट लेकर ही मुझसे संपर्क करते हैं, लेकिन चेन्नई में रश्मि रॉकेट की सिर्फ एक लाइन मेरे पास आई और मैंने भी इसके लिए फौरन हां कर दी। उन्होंने कहा, पहले दिन से ही हर कोई कहानी के बारे में इतना निश्चित था कि इसके लिए टीम बनाने में कभी भी किसी मोड़ पर दिक्कत नहीं आई। मुझे अपनी इस फिल्म पर गर्व है।

आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी से जुड़े मीजान जाफरी

मशहूर अभिनेता जावेद जाफरी के बेटे मीजान जाफरी आए दिन किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में रहते हैं। आखिरी बार उन्हें फिल्म हंगामा 2 में देखा गया था। अब एक बार फिर वह चर्चा में आ गए हैं। दरअसल, आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म से मीजान भी जुड़े हैं। उन्होंने एक हालिया इंटरव्यू में खुद यह खुलासा किया है। एक्टर बनने के बावजूद उन्होंने एक अलग चीज में हाथ आजमाया।

मीजान जाफरी ने बताया कि फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में उन्होंने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की भूमिका निभाई है। मीजान ने कहा, इस फिल्म के एक असिस्टेंट की तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनना पड़ा। इसके साथ ही मीजान ने बताया कि आलिया भट्ट और अजय देवगन को सेट पर एक्टिंग करते देख उन्हें दोनों से ही काफी कुछ सीखने और समझने को मिला।

पितरों को भोग लगाने के लिए बनाएं चावल की खीर

पितृपक्ष में पितरों को भोग लगाने के लिए चावल की खीर मीठे में जरूर बनाई जाती है। लेकिन कई बार खीर उस तरह की नहीं बनती जैसा हम चाहते हैं। तो आज हम आपको 15-20 मिनट में टेस्टी खीर की रेसिपी बताएंगे।

सामग्री :

दूध- 1 लीटर, चावल- 1/3 कप, चीनी- 50 ग्राम, इलायची पिसी हुई- 4-5, बादाम कटे हुए- 5-6, पिस्ता कटे हुए- 8-10, चिरौंजी- 1 चम्मच, घी- 1/2 छोटी चम्मच

विधि :

खीर बनाने से कम से कम आधे एक-दो घंटे पहले चावल को भिगोकर रख दें। उसके बाद इसे पानी से निकालकर एक प्लेट में रख दें। अब कड़ाही में थोड़ा सा घी डालकर चावल को दो से तीन मिनट के लिए सेंक लें।सेंके हुए चावल को मिक्सी में दरदरा पीस लें। तब तक दूध को पैन में उबलने के लिए रख दें। इसके बाद दूध में दरदरे पीसे चावल डालकर चम्मच से मिक्स कर दें। पहले से भीगे होने की वजह से चावल 10-15 मिनट में अच्छी तरह से पक जाते हैं।चावल के पकने के बाद इसमें चीनी मिक्स करें। वैसे गैस बंद करके चीनी डालना ज्यादा बेहतर होता है।

इसके साथ ही इसमें बादाम, पिस्ता, इलायची, चिरौंजी डालकर मिक्स कर दें।

तैयार है चावल की स्वादिष्ट चावल खीर। पसंद के हिसाब से गर्म या फ्रिज में ठंडा करके सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 208

बाएं से दाएं
1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे
1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

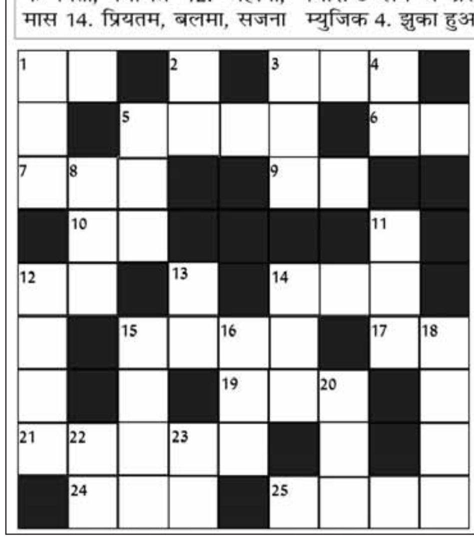

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 207 का हल

सू-दोकू- 208

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें [illegible] 2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खोंद में [illegible] किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.207का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5